Jain Engineers Society News
Society Registration No. -IND/5887/2001, dtd 20.02.2002 **For Social Cause**

Year : 8, Edition : 8 Indore, 20 August, 2009 Page : 4 Rs. : 12/- (Yearly)

JES THOUGHT: सफलता प्राप्त करने के लिये अन्य किसी साधन की अपेक्षा आपका विश्वास अधिक सहायक है

जैन इंजीनियर्स सोसायटी, इन्दौर चेप्टर प्रतिभा सम्मान समारोह

जैन इंजीनियर्स सोसायटी, इन्दौर चेप्टर का प्रतिभा सम्मानसमारोह माइक्रोसॉफ्ट इंजीनिया श्री बोबरा, अमेरिका के आतिथ्य में एवं श्री आर.के. जैन, अध्यक्ष-इन्टरनेशन फाउण्डेशन की अध्यक्षता में अरिहंत फार्म हाऊस, बायपास रोड़ पर सम्पन्न हुआ। सभा में इंजी. श्री संतोष बंडी के आव्हान पर सहयोग जिसमें बच्चों ने बढ़चढ़कर सहयोग दिया।

सभा में 142 बच्चें को सम्मनित किया गया विशेष रूप से अंकुर बाफना, आई.ई. एवं ए.आई.ई. में राष्ट्रीय स्तर पर 15वीं परियता एवं प्रदेश स्तर पर प्रथम परियता तथा बी.आर्कत्र परीक्ष्ज्ञा में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर उनके माता-पिता श्री शिरिष बाफना एवं श्रीमती निलिमा बाफना का सम्मान किया। श्री बाफना की द्वितीय पुत्र मा. चिन्मय ने भी 10वी. की परीक्षा 96.00: से उत्तीर्ण की। बधाई!

संयोजको श्रीमती मिनाक्षी शैलेन्द्र कटारिया, श्रीमती अलका अशोक घतोते, आशिना धनोते के अथक प्रयासों सेयह प्रतिभा सम्मान यादगार बन गया। प्रतिभा सम्मान के दौरा श्रीमती रूक्मणी बड़जात्या एवं श्रीमती सुधा डॉ. एस.के. जैन द्वारा सावन के सुहावने मौसम पर कविता पाठ भी किया गया।

इस अवसर पर सभी सदस्यों हेतू फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी रखी गई थी जिसमें सदस्यों द्वारा छुट्टियों के दौरान की गई अविस्मरणीय यादों की बेहतर प्रस्तुति पर तीन सुंदर फोटो हेतू पुरस्कृत किया गया, प्रथम पुरस्कार आदेश जैन, द्वितीय पुरस्कार शुभांगी सेठी तृतीय पुरस्कार मनीष सेठी ने प्राप्त किया।

☐ निकेतन सेठी
मानद् सचिव

सभा में ब्रेन गेम्स एवं तम्बोला श्रीमती मोनिका जीनेन्दू काका, श्रीमती मिनाक्षी शैलेन्द्र कटारिया एवं श्रमती सीमा सेठी द्वारा खिलाए गए।निर्देशिका प्रकाशन हेतू केवल फोटोग्राफ हेतू व्यवस्था रखी गई थी श्री आदेश जैन द्वारा निर्देशिका संबंधी जानकारी दी गई।सभी ने सावन के मौसम में भुट्टे एवं मुंगफली का भरपूर आनंद लिया। अच्छी व्यवस्था हेतू संयोजक श्री प्रदीप जैन (राऊ), श्री जीनेन्दू काका, एवं श्री राजेश जैन को सभी ने अच्छी व्यवस्था हेतू आभार प्रकट किया।

जेस भोपाल चेप्टर का इस्लाम नगर फोर्ट में "स्नेह मिलन कार्यक्रम"एवं नेत्रदान हेतु संकल्प

दिनांक 12 जुलाई 2009 को जैन इंजीनियर्स सोसायटी, भोपाल चेप्टर का ऐतिहासिक स्थल इस्लाम नगर फोर्ट में "स्नेह मिलन कार्यक्रम" सम्पन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में प्रतिभावान छात्रों का सम्मान किया गया। विदिशा की कु. नेहा जैन, सुपुत्री श्री आर.के. मोदी ने कक्षा 12वीं के मध्यप्रदेश बोर्ड की परीक्षा में मेरिट में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिस हेतु उनको सम्मानित किया गया साथ ही कु. नेहा के माता-पिता का भी सोसायटी द्वारा सम्मान किया गया।जैन इंजीनियर्स सोसायटी के कई सदस्यों ने नेत्रदान हेतु अपने संकल्प पत्र भर कर श्री शरद चन्द्र तामोट को आगामी कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किये।इस्लाम नगर फोर्ट का सभी सदस्यों ने भ्रमण किया तथा इस दर्शनीय स्थल के प्रभारी श्री उपरीत द्वारा इस्लाम नगर फोर्ट के संबंध में विस्तृत इतिहास के बारे में बताया। फोर्ट के बारे में कई रोचक जानकारियां भी बताई।

सदस्यों की विवाह की वर्षगांठ पर जैन इंजीनियर्स सोसायटी, भोपाल द्वारा उन्हें मोमेन्टों भेट किय गये जिसका संचालन ग्रुप के कोषाध्यक्ष इंजी. एस.सी.जैन द्वारा किया गया।

श्री शरदचंद्र तामोट द्वारा मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित किये जाने हेतु अपने विचार व्यक्त किये तथा विदिशा से आई कु. नेहा जैन तथा उनके माता-पिता का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में स्वल्पाहार तथा सु-स्वादिष्ट स्नेह-भोज की व्यवस्था हेतु सभी सदस्यों ने "कार्यकारिणी सदस्य" इंजी. अरूण जैन की प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन इंजी. शरद सेठी द्वारा किया गया। इंजी. शरदचंद्र सेठी, अध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया।

☐ सचिव
शरद सेठी

कोटा चेप्टर की वार्षिक बैठक एवं नई कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न

दिनांक 19 जुलाई 2009 को सुबह 11:00 बजे से कोटा चेप्टर की वार्षिक बैठक जैन समिति भवन (स्व. जम्बू कुमार जैन स्मृति भवन में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता श्री महावीर कुमार कोठारी अध्यक्ष ने की। बैठक में जैन इंजीनियर्स सोसायटी के तृतीय राष्ट्रीय अधिवेशन जो 27-28 दिसम्बर 2008 को कोटा में हुआ उसका विस्तृत विवरण व आय व्यय का ब्यौरा सचिव राजेन्द्र कुमार जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया। अधिवेशन आयोजित करने में जहां कार्यकारिणी द्वारा सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया वहीं सदस्यों ने अपने प्रस्तुतीकरण में अधिवेशन को सफल बताने के साथ-साथ आयोजन समिति का हार्दिक आभार जताया। चेप्टर की गतिविधियों को गति देने बाबत सदस्यों के विचार आमंत्रण में श्री अशोक पाटनी (सी. एण्ड आई. सिरटम), श्री वी.के. गोलछा (एस.ई. यू.आई.टी.), श्री पी.के.जैन (एस.इं. पी.डब्ल्यू.डी.), श्री ज्ञानचन्द जैन (जी.एस.इन्टरप्राईजेज़), श्री नेमीचन्दजी जैन, श्री जे. के. पाटनी एवं श्री अजय बाकलीवाल ने विचार रखे। नई कार्यकारिणी के चुनाव की प्रक्रिया प्रारम्भ करने से पूर्व श्री महावीर कोठारी अध्यक्ष ने अपना अध्यक्षीय भाषण दिया एवं नई कार्यकारिणी के चुनाव का मार्ग प्रशस्त किया। बैठक में सर्वसम्मति से निम्न प्रकार कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का चुनाव किया गया।

अध्यक्ष	श्री अजय बाकलीवाल
उपाध्यक्ष	श्री पी.के. जैन
उपाध्यक्ष	श्री वी.के. गोलछा
सचिव	श्री राजेन्द्र कुमार जैन
सह सचिव	श्री विजय कुमार जैन
कोषाध्यक्ष	श्री अशोक कुमार जैन (पोटालिया)

साधारण सभा द्वारा संरक्षक व कार्यकारिणी के सदस्य एवं विशेषज्ञ समितियों के अध्यक्षों के मनोनयन/चुनाव का अधिकार कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को दिया। सभी उपस्थित सदस्यों ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत किया। श्री वी.के. जैन सहसचिव ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन श्री राजेन्द्र कुमार जैन सचिव ने किया। बैठक समापन के पश्चात सभी सदस्यों ने सपरिवार सहभोज का आनन्द लिया।

दिनांक 24.07.2009 को कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की बैठक हुई जिसमें निम्न सदस्यों व विशेषज्ञ समितियों के अध्यक्षों का चुनाव किया गया।

1. श्री अशोक कुमार कासलीवाल
2. श्री महावी कुमार बड़जात्या
3. श्री जे.के. पाटनी
4. श्री ओम जैन
5. श्री विनय कुमार जैन
6. श्री सुरेश कुमार जैन (बज)
7. श्री राजेश कुमार सोनी

विशेषज्ञ समिति अध्यक्ष

1.	यांत्रिक	श्री महेन्द्र कुमार जैन
2.	विद्युत	श्री विमल कुमार जैन
3.	सिविल	श्री विमल कुमार जैन
4.	इलैक्ट्रॉनिक	श्री अशोक पाटनी
5.	कम्प्यूटर	श्री ज्ञानचन्द जैन (बोहरा)

इंसान के सद्विचार अच्छे शब्द बन जाते हैं। अच्छे शब्दों की परिणति अच्छे कार्य में होती है। ये अच्छे कार्य अच्छी आदतों का रूप ले लेते हैं। ये अच्छी आदतें अच्छे चरित्र का निर्माण करवाने में मदद करती है। अच्छा चरित्र अच्छे कर्म करवाने में सहायक होता है। अन्ततः इन अच्छे कर्मों से ही अच्छे फल का बंध होता है जो कि हमारी असल संपत्ति होते हैं।

☐Sanjay jain Babai Wala

Aurangabad Chapter activities.

The second programme on "GLOBAL WARMING" organized by JES Aurangabad at "Jain International School " on 14th July 09 was very successful. The Management of the school appreciated the vision of our organization and praised us for the efforts being taken by us on subject like these which are of utmost importance.Indeed they have gone a step ahead and have committed full support to all the programmes that will be conducted for childrens from JES Aurangabad forum in future and asked us to treat the school as a part of the activity.The children's were very interactive during the session. Further our Secretary Mr Chetan Thole declared an Essay competition for all the Children's on the above topic. The school has taken the responsibility to collect and check the essay received from the students.Out of these two best essays will be awarded a price from JES Aurangabad on the School"s Annual Function day.

I would like to appreciate the efforts taken by Mr Rupesh Thole (Project Incharge) along with Mr Kamal Pahade, Mr Chetan Thole, Mr Anand Mishrikotkar, Mr Nilesh Pahade, Mr Nitin Bohara for making this programme a success.

☐ Er Rajesh Patney - 9823068601
President , JES Aurangabad

जेस इन्दौर चेप्टर द्वारा रोड़-शो एवं सुरक्षा प्रपत्र जारी

जैन इंजीनियर्स सोसायटी, इन्दौर चेप्टर द्वारा पलासिया चौराहा, इन्दौर पर नवागत एस.एस.पी. श्री विपिन माहेश्वरी एवं ट्राफिक अधीक्षक अमोगका अय्यर के मार्गदर्शन में रोड़-शो आयोजित किया गया जिसमें काफी संख्या में जेस परिवार ने भाग लिया। करीब एक घंटा तक चौराहे पर बैनर एवं पोस्टरो तथा पेम्पलेट के जरिए यातायात सुरक्षा हेतू लोगों को जानकारी दी गई।

इस अवसर पर श्री विपिन माहेश्वरी द्वारा जनहित में एक प्रपत्र का विमोचन भी किया गया। जेस ट्राफिक विशेषज्ञ श्री एस.के. जैन द्वारा इसे डिजाईन किया गया था। रोड-शो में जेस परिवार के 30 वर्ष से 80 वर्ष तक के सदस्य उपस्थित थे। विशेष रूप से राजेन्द्रसिंह जैन, सुरेश कासलीवाल, सुरेश पांड्या, एन.के. जैन, चन्द्रकुमार कासलीवाल, बी.के. जैन आदि उपस्थित थे। श्री माहेश्वरी एवं अमोगका अय्यर ने इस प्रयास हेतू जेस की प्रशंसा की एवं शहर की सुरक्षा व्यवस्था हेतू जेस को योजना बनाने हेतू आमंत्रित भी किया।

□ निकेतन सेठी
सचिव

I WISH YOU ENOUGH!

Recently I overheard a mother and daughter in their last moments together at the airport. They had announced the departure.Standing near the security gate, they hugged and the mother said, I love you, and I wish you enough.The daughter replied, 'Mom, our life together has been more than enough. Your love is all I ever needed. I wish you enough too, Mom.'They kissed and the daughter left. The mother walked over to the window where I was seated. Standing there I could see she wanted and needed to cry. I tried not to intrude on her privacy, but she welcomed me in by asking, 'Did you ever say good-bye to someone knowing it would be forever?'

'Yes, I have,' I replied. 'Forgive me for asking, but why is this a forever good-bye?''I am old, and she lives so far away. I have challenges ahead and the reality is the next trip back will be for my funeral,' she said.'When you were saying good-bye, I heard you say, I wish you enough.' May I ask what that means?'She began to smile. 'That's a wish that has been handed down from other generations. My parents used to say it to everyone.' She paused a moment and looked up as if trying to remember it in detail, and she smiled even more. 'When we said, I wish you enough.' We were wanting the other person to have a life filled with just enough good things to sustain them.' Then turning towards me, she shared the following as if she were reciting it from memory.I wish you enough sun to keep your attitude bright no matter how gray the day may appear.I wish you enough rain to appreciate the sun even more.I wish you enough happiness to keep your spirit alive and everlasting.I wish you enough pain so that even the smallest of joys in life may appear bigger.I wish you enough gain to satisfy your wanting.I wish you enough loss to appreciate all that you possess.I wish you enough Hellos to get you through the final good-bye. She then began to cry and walked away.

They say it takes a minute to find a special person, an hour to appreciate them, a day to love them; but then an entire life to forget them.

To all my friends, **I wish you enough.**

FROM 'SWAM UTTHAN'
□ By- Er. Vinod Badjatiya

Financial Assistance available for higher studies after 10th.

If you have come across any bright students coming from poor financial background who have finished their 10th standard this year (April 2009) and scored more than 80%, please ask them to contact the NGO-Prerana (supported by Infosys foundation). The NGO is conducting a written test and those who clear the test will be eligible for financial help for their further studies.Please ask the students to contact the people mentioned below to get the form #580, shubhakar, 44th cross,1st main road,jayanagar 7th block Bangalore-mob no- 9900906338(saraswat i) Mr.Shivkumar(9986630301) Hanumanth nagar office Ms.Bindu(9964534667)-Yeshwantpur office Even if you dont know anyone, please pass on this info, some one might be in need of this help desperately.

Er. Parag Jain, Indore chapter

SWINE FLUE AWARENESS NO PANICKY

I agree with you that swine flu awareness is needed, but there is no need to be panicky and join the publicity propaganda carried out by media and others which acts as a vehicle to spread misconception than to spread scientific information.

These are few facts about swine flu when discussed with the leading epidemiologists.

1) Swine flu, that is H1N1 flu is not new, first detected in 1987

2) Infective stage of flue is 5 days, 1 day before and 4 days after onsetof symptoms.

3) The best way to prevent it spreading is asking patient having symptoms of flu like fever cough and running nose to take rest at home for. 4 days so he does not transmit it.

4) Masks are of limited value if any, in this disease, it can spread through droplets on your skin, through contact etc, and I have seen that the masks in Pune are worn as fashion statement, while walking on road today morning I saw people wearing masks coming out for a morning walk with their dogs!, many wearing masks around their necks, and so on, in fact these masks shall act as the vehicles to carry the virus, instead,avoiding crowded places or cinema halls or malls where air conditioners are on, is advisable, because you get recirculated air, where the virus density multiplies.

5)Death after H1N1 flu is not common, in fact infections like measles is taking toll of thousands more every year, and we are oblivious of the facts. Swine flu is being blown out of proportion by media trying to create hysteria among lay people.

6) Fever accompanied by respiratory distress, should be immediately notified which is likely to be a complication of H1N1 flu.

7)The mortality is less than .01 percent of those affected, that means may be one in 10,000 affected is likely to suffer the life loss.

8) If you remember, 2 years ago SARS was blown out of proportion, what happened? Humans develop immunity to the virus, the same is going to happen, we develop immunity in due course of time, the virus is in the air, you can not stop it, our body is already developing the immunity so nothing to panic.

We need to take care of children and elderly who have less immunity and do not let them go to crowded places that is all.

WE MUST START THIS CAMPAIGN OF NOT TO BE AFRAID OF THIS FLU AND LET YOUR
DAILY WORK CONTINUE AS NORMAL, NO MASKS FOR ORDINARY CITIZENS, HEALTH CARE
WORKERS OR SPECIFIC EXPOSED TO LOT OF CROWDED ENVIRONMENTS MAY BE
BENEFITTED, NOT PROVEN.

I am amazed to hear that people are selling masks of RS 20 each which are available to less than Rupee 1 in the market. See who is getting benefitted?

Please spread the scientific info, do not join the band wagon and stick to science, that should be the order of the day.

Forwarded by
Er. Niketan Sethi, RRCAT Indore

□ By Dr.Deepak Purohit
District governor
3131

Make others Happy

Two men, both seriously ill, occupied the same hospital room. One man was allowed to sit up in his bed for an hour each afternoon to help drain the fluid from his lungs. His bed was next to the room's only window.

The other man had to spend all his time flat on his back.
The men talked for hours.
They spoke of their wives and families, their homes, their jobs, their involvement in the military service, where they had been on vacation.
Every afternoon, when the man in the bed by the window could sit up, he would pass the time by describing to his roommate all the things he could see outside the window.
The man in the other bed began to live for those one hour periods where his world would be broadened and enlivened by all the activity and color of the world outside.
The window overlooked a park with a lovely lake.
Ducks and swans played on the water while children sailed their model boats.
Young lovers walked arm in arm amidst flowers of every color and a fine view of the city skyline could be seen in the distance.
As the man by the window described all this in exquisite details, the man on the other side of the room would close his eyes and imagine this picturesque scene.
One warm afternoon, the man by the window described a parade passing by.
Although the other man could not hear the band - he could see it in his mind's eye as the gentleman by the window portrayed it with descriptive words.
Days, weeks and months passed.
One morning, the day nurse arrived to bring water for their baths only to find the lifeless body of the man by the window, who had died peacefully in his sleep.

She was saddened and called the hospital attendants to take the body away.
As soon as it seemed appropriate,
the other man asked if he could be moved next to the window.
The nurse was happy to make the switch, and after making sure he was comfortable, she left him alone.
Slowly, painfully, he propped himself up on one elbow to take his first look at the real world outside.
He strained to slowly turn to look out the window besides the bed.
It faced a blank wall.
The man asked the nurse what could have compelled his deceased roommate who had described such wonderful things outside this window.
The nurse responded that the man was blind and could not even see the wall.
She said, 'Perhaps he just wanted to encourage you.'
Epilogue:
======
There is tremendous happiness in making others happy, despite our own situations.
Shared grief is half the sorrow,
but happiness when shared, is doubled.

If you want to feel rich, just count all the things you have that money can't buy.
Today is a gift, that is why it is called The Present.

□Er. Ravish Jain . Indore.

CONTACT FOR LOCAL CHAPTERS

INTERNATIONAL FOUNDATION	-	Er. R.K. Jain (President (M) 98260-56128 Er. Rajendra Singh Jain (General Secretary), (M) 98260-75098
INDORE CHAPTER	-	Er. N.K. Jain (President), (M) 9827070556 Er. Niketan Sethi (Hon. Secretary) (M) 09425060804
BHOPAL CHAPTER	-	Er. Sharad Chand Sethi, (President), (M) 9893650291 Er. Sharad Sethi (Hon. Secretary), (M) 9425020429
KOTA CHAPTER	-	Er. Ajay Bakliwal, (President), (M) 09829036058, Er. R.K. Jain (Hon. Secretary), (M) 9414726829
UJJAIN CHAPTER	-	Er. Deepak Jain, (President) (M) 09425050484 Er. Bharat Shah (Hon. Secretary), (M) 9826057049
JAIPUR CHAPTER	-	Er. Akhilesh Jain (President) Ph : 0141-2396283, (M) 98290-53981 Er. R.K. Sethi, (M) 98292-55130
SAGAR CHAPTER	-	Er. Neelesh Jain, (President) Ph : 07582-244901, (M) 9329738680
HARIDWAR CHAPTER	-	Er. Ashok Kumar Jain, (President) Ph : 1334-234856, (M) 09837099348
SANGLI CHAPTER	-	Er. Bhaskar Kognole, (President) Ph : 0233-2320600
KANPUR CHAPTER	-	Er. S.K. Jain, (President) Ph : 0512-2553457, Patron-Shriyut Shripal ji Jain (M) 98395-47676
VIDISHA CHAPTER	-	Er. Anil Jain, (President) Ph : 07592-232295
MUMBAI CHAPTER	-	Er. Lalit Sanghavi (President) (M) 98210-16736
NAGPUR CHAPTER	-	Er. Rajeev Jain (President) (M) 9881741032, 9960085566
DELHI CHAPTER	-	Er. Subhash Jain (President) Ph : 011-24638792(O)
AURANGABAD	-	Er. Rajesh Patney (M) 09370068601, Er. Kamal Pahade- (M) 0997030061
BANGLORE CHEPTER	-	Er. Ajit Jain -099019 48892

JODHPUR CHAPTER
JHANSI CHAPTER

NEW CHAPTERS
GWALIOR CHAPTERS

BHILWARA CHAPTER
AJMER CHAPTER

इस पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों, संकलन एवं विचारों के लिए लेखक / प्रेषक / संकलनकर्ता स्वयं उत्तरदायी है, सम्पादक एवं सम्पादक मण्डल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। पत्रव्यवहार के लिए पता– जैन इंजीनियर्स सोसायटी, 144 कंचन बाग, इन्दौर–452 002 (भारत)
फोन: 0731-3044602 E-mail-jainengineers@eth.net, Website- www.jainengineerssociety.com

BOOK-POST
PRINTED MATTER

RNI : MPBIL/2004/13588
डाक पंजी. क्र आयडीसी / डिवीजन / 1130 / 2007–09

TO,

If undelivered, please return to :
Jain Engineers' Society, 144, Kanchan Bag, Indore - 452 001

Owned & Published by Rajendra Singh Jain From 144, Kanchan Bagh, Indore (M.P.) & Printed by Nirmal Graphics Press, 340, Nayapura, Indore (M.P.)
Editor - Er. Rajendra Singh Jain